

BHĀG. P. 1, 15, 49. प्राणान् dem Leben entsagen M. 11, 79. VET. 34, 15. DAṢAK. in BENF. CHR. 192, 3. जीवितम् dass. MBH. 1, 6165. — 5) nachlassen, übrig lassen: तृणमप्यपरित्यज्य अस्ति P. 2, 1, 6, Sch. — 6) Raum lassen: परित्यज्य so v. a. in einer Entfernung von (acc.) VARĀH. BRH. S. 33, 41. — 7) fortlassen, weglassen; bei Seite liegen lassen, nicht beachten: मरुच्छिन्नाः परित्यजेदृत्यो च ÇĀNKH. ÇR. 13, 9, 8. VEDĀNTAS. (Allah.) No. 68. परित्यक्तपरात्मनः (मे) BHĀG. P. 3, 23, 53. परित्यज्य mit Ausnahme von VARĀH. BRH. S. 11, 3. — 8) pass. um Etwas (instr.) kommen, — gebracht werden: बुद्ध्या परित्यज्यते HIT. I, 128. VET. 15, 12. परित्यक्त beraubt, carens: तुषेणापि परित्यक्ता न प्रेरकृत्ति ताण्डुलाः HIT. I, 31. धनैः VARĀH. BRH. S. 67, 18. 52. 80. 78, 8. ब्रह्मणा M. 11, 192. तैर्भूतैः 12, 21. सर्वभोगैः R. 2, 104, 15. धर्मेणा 74, 2. नेत्यातपरित्यक्तः कदाचिदपि चन्द्रो ब्रजत्युदयम् VARĀH. BRH. S. 7, 1. शिखापरित्यक्ताः (केतवः) 11, 19. 47, 4. उपपत्तिपरित्यक्तशास्त्रं RĀGA-TAR. 5, 374. संख्या^० unzählbar PAÑKĀT. II, 62. — caus. Jmd Etwas entziehen, nehmen; mit dopp. acc.: मामपि — परित्याज्य जीवितम् R. 4, 19, 35.

— संपरि (einen Ort) verlassen HARIV. 5147. R. 3, 34, 5. जीवितम् sein Leben hingeben, daransetzen: दुष्टे संपरित्यक्तजीवितम् 6, 29, 15.

— वि s. अचित्यज.

— सम् 1) Jmd verlassen, im Stich lassen, seinem Schicksal überlassen, seiner Wege gehen lassen, sich lossagen von, verstossen R. 2, 66, 20. 6, 101, 14. MBH. 1, 6195. शरणागतं संत्यजतु 13, 4578. HIT. I, 184. VIKR. 100. RAGH. 14, 34. फलहीनं नृपं भृत्याः — संत्यज्यान्त्र गच्छति शुष्कवृक्षमिवाण्डजाः PAÑKĀT. I, 168. — 2) (einen Ort) verlassen, sich fortbegeben von: गुह्याः संत्यज्युर्व्याघ्राः R. 2, 97, 4. PAÑKĀT. I, 168. KATHĀS. 7, 58. पूजां संत्यज्य RĀGA-TAR. 5, 54. हरेण संत्यज्यताम् man meide (den Fluss) von Weitem BHARTR. 1, 80. — 3) Etwas fahren lassen, aufgeben, sich lossagen von, entsagen: संत्यज्य ग्राम्यमाहारं सर्वं चैव परिच्छेदम् M. 6, 3. राख्ये ऽपि संत्यक्ते R. 3, 13, 27. एतैर्विवादान्संत्यज्य M. 4, 181. संत्यजामो ऽयं तम् (बद्धं स्नेहम्) HARIV. 4268. संत्यज नित्रा कञ्जोलोलोत्तां गतिम् BHARTR. 3, 64. सुखममूनपि संत्यजति — न पुनः प्रतिज्ञाम् 2, 100. संत्यजन् sich lossagend von einer übernommenen Verpflichtung, zurücktretend JĀGŪ. 2, 198. यथा न संत्यजेथास्त्वं सत्यम् MBH. 4, 730. यदहं पुत्रशोकेन संत्यजिष्यामि जीवितम् DAṢ. 2, 58. — 4) hingeben, überlassen KATHĀS. 23, 204. एष वः प्रियमात्मानं त्यजतं संत्यजाम्यहम् BHĀG. P. 6, 10, 7. — 5) bei Seite liegen lassen, nicht beachten VARĀH. BRH. S. 1, 11. संत्यज्य विक्रमादित्यम् — धैर्यमन्यत्र दुर्लभम् wenn man VIKR. ausnimmt RĀGA-TAR. 3, 343. — 6) संत्यक्त beraubt, entblösst, carens: वल्मीकैर्या (भूमिः) संत्यक्ता VARĀH. BRH. S. 47, 17. 33, 49. धर्मेणा 16, 37. वित्तं^० 67, 70. 96. भोगं^० 19. गृहं^० PAÑKĀT. IV, 14. — caus. Jmd um Etwas bringen, mit dopp. acc.: यो ह्यसौ ह्यनाचार्यं शस्त्रं संत्याज्यतदा MBH. 7, 8991. Jmd (acc.) von Jmd (instr.) befreien: संत्याज्यो चकाराय सीतां विंशतिवारुणा BHATT. 3, 104.

— अभिसम् verlassen, abstehen von, aufgeben: पाञ्चाल्यमभिसंत्यज्य — विराट्कुपेदा वृद्धो योधयामास MBH. 6, 2232. धर्मार्थवभिसंत्यज्य संरम्भं यो ऽनुमन्यते 5, 4288.

2. त्यञ् (= 1. त्यञ्) adj. am Ende eines comp. verlassend, hingehend, darbringend: तीर्थं आयाति अद्भ्या यो धनत्यजः BHĀG. P. 8, 20, 9. वाष्पार्ध-

कणत्यजः RĀGA-TAR. 4, 360. — Vgl. तनु^०, तनु^०, सु^०.

1. त्यञ्जस् (von त्यञ्) n. 1) Verlassenheit, Noth; Gefahr: अगच्छतं कृपमाणं परावर्ति पितुः स्वस्य त्यञ्जसा निन्नाधितम् RV. 1, 119, 8. मरुच्छित्यञ्जसा अगोके उरूप्यतं न ज्जती 4, 43, 4. सन्त्येन त्यञ्जसा मर्त्यस्य वनुष्यतामपि शीघ्रं ववृक्तम् 6, 62, 10. न तं तिमं चन त्यञ्जो न द्रासदभि तं गुरु 8, 47, 7. — 2) Entfremdung, Abneigung, Missgunst, = क्रोध NAIGH. 2, 13. इन्द्रश्चन त्यञ्जसा विद्रुणाति तज्जनाय यस्मै सुकृते अराधम् RV. 1, 166, 12. मरुच्छिदसि त्यञ्जसा वरूता 169, 1. देव पासि त्यञ्जसा मर्त्यमहः 6, 3, 1. किं देवेषु त्यञ्ज एनश्चकथ 10, 79, 6. एवा तदिन्द्र इन्द्रना देवेषु विद्मरायाते महि त्यञ्जः 144, 6.

2. त्यञ्जस् (wie eben) m. Sprössling (Ableger): उशति घा ते अमृतास एतदेकस्य चित्यञ्जसं मर्त्यस्य RV. 10, 10, 3.

त्यत्र (von त्य) adv. dort; davon त्यत्रत्य adj. dortig VOP. 7, 111.

त्यद् 1) nom. acc. n. von त्य (s. dieses). — 2) adv. (stets mit vorangehendem कृ) bekanntlich, nämlich, ja: वं कृ त्यदिन्द्र कुत्समावः, यच्छुं कुर्यवं न्यस्मा अरन्धयः RV. 7, 19, 2. वं कृ त्यत्सप्तभ्यो ज्ञायमानो ऽशत्रुयो अर्भवः शत्रुरिन्द्र 8, 85, 16. 17. 18. 1, 63, 4. 5. वी कृ त्यदिन्द्रार्णसतिो नैरो क्वत्ते 6. 7. 10, 89, 8. वं कृ नु त्यदमायो दस्युं 6, 18, 3. यद् त्यदा पुर्णमिच्छस्य सोमिनः प्र मित्रासा न दधिरे स्वाभुवः 4, 131, 2. यद् त्यन्मित्रावरुणावृतादध्यादाये अर्नतम् 139, 2.

त्यद् (von त्यद्) 1) m. ein Sohn Jenes SIDDH. K. 69, b. — 2) त्यद्म् am Ende eines adv. comp. = त्यद् गाणा शरदादि zu P. 5, 4, 107.

त्यदपयि m. = त्यद् 1. SIDDH. K. 69, b.

त्याग and त्यागं (von त्यञ्) P. 6, 1, 216 (vgl. 159). त्यागं RV. m. = वर्ज-न H. an. 2, 32. MED. g. 6. 1) das Verlassen, im-Stich-Lassen, das Verstossen (einer Person): न माता न पिता न स्त्री न पुत्रस्त्यागमर्हति M. 8, 389. 9, 79. 10, 113. JĀGŪ. 1, 72. MBH. 1, 3909. R. 2, 52, 45. गुरुमातपितुं M. 11, 59. 62. BRAHMAN. 1, 33. N. 10, 9. R. 4, 7, 9. KAṬĀS. 13, 71. अज्ञना^० das Meiden der Weiber TRIK. 2, 7, 29. — 2) das Verlassen (eines Ortes): देशं^० PAÑKĀT. 261, 6. — 3) das Entlassen, von-sich-Geben: रेतोमूत्रपुरीषाणाम् MBH. 14, 630. श्लेष्मं^० VARĀH. BRH. S. 50, 33. 45, 58. — 4) das Aufgeben, Verzichten, Entsagung, Hingabe KAP. 3, 75. त्यागवियोगी freiwilliges Aufgeben und gezwungene Trennung 4, 5. M. 10, 111. स्वकर्मणाम् 24. सर्वकर्मफलं^० BHĀG. 12, 11, 18, 1. 2. 4. सुखं^० R. 4, 7, 9. वैरं^० JOGAS. 2, 35. उपार्जितानामर्थानाम् PAÑKĀT. II, 137. धनानां जीवितस्य च HIT. I, 38. धनं^० R. 4, 7, 9. ज्ञोवं^० PRAB. 89, 5. SĀH. D. 182. अत्यागो ऽपि तनोः BHARTR. 3, 91. Hingabe eines Gutes (im Opfer): ऋच्यं देवता त्यागः KĀT. ÇR. 1, 2, 2. 7, 21. Schol. p. 208, 2. 394, 3 v. u. 423, 1 v. u. — 5) Aufopferung, Hingabe des Lebens: मिथो यत्यागमुभयोसा अर्गन् RV. 4, 24, 3. — 6) Freigebigkeit, = दान AK. 2, 7, 28. H. 386. H. an. MED. M. 2, 97. धनदेन समस्त्यागो R. 1, 1, 9. SUÇR. 1, 122, 19. BHARTR. 2, 34, 55. RAGH. 1, 7, 22. PAÑKĀT. 201, 19. DHĪRTAS. 68, 3. ^०युत freigebig VARĀH. LAGHŪ. 9, 15. ^०शीलता ad HIT. I, 100. — 7) ein Weiser (विवेकिपुरुष) ÇABDAR. im ÇKDR. — Vgl. अत्यं^० (Verlust des Bewusstseins SUÇR. 1, 192, 6), तनु^०, देह^०, प्राण^०, शरीर^०.

त्यागमय (von त्याग) adj. in blosser Schenken bestehend: व्यवहारो महात्यागमयः KATHĀS. 23, 84.

त्यागिता (von त्यागिन्) f. Freigebigkeit HIT. I, 89.